रोहित शर्मा लगातार अच्छा खेल रहे हैं। आखिरी मैच में उन्होंने शतक लगाया, अब आप और क्या चाहते हैं? अफवाह क्यों है? मैं अफवाहों को हवा नहीं दूंगा। - देवजीत सैकिया

बीसीसीआई सेक्रेटरी, रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

लियोनेल मेसी

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा के बाद कोपा अर्जेंटीना के मुकाबले में भावुक विदाई दी गई। वेलेज़ सार्सफील्ड और बोका जूनियर्स के बीच खेले गए मुकाबले को 10वें मिनट में कुछ देर के लिए रोककर मेसी को सम्मानित किया गया। एस्टाडियो मारियो अल्बर्टो केम्पेस में मौजूद दर्शक अपनी जगह से खड़े हो गए और अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी के सम्मान में तालियां बजाईं। मेसी ने 2026 फीफा विश्व कप के बाद अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर को विराम देने का फैसला किया है।

क्या आप जानते हैं ?... पहला एशियन गेम्स (1951): नई दिल्ली में आयोजित पहले एशियाई खेलों में भारत ने कुल 51 पदक (15 स्वर्ण, 16 रजत, 20 कांस्य) जीते थे और तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया था/

भारत में पहली बार हुआ नाइट पोलो, दुनिया के चुनिंदा मैदानों में शामिल हुआ राजस्थान पोलो क्लब

जयपुर में पहली बार फ्लडलाइट्स की रोशनी में खेला गया नाइट पोलो

जयपुर, 3 सितंबर। सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के तहत गुरुवार रात को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर पहली बार नाइट पोलो का रोमांच देखने को मिला। क्लब के मैदान में फ्लडलाइट्स की रोशनी में आरपीसी कप टूर्नामेंट (04 गोल्स) के दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। पहला मुकाबला रामबाग/मेफेयर पोलो और टीम गोहिलवाड़ के बीच खेला गया। वहीं, दूसरा मैच टीम आरपीसी और टीम जयपुर के बीच हुआ। इस अवसर पर पद्मनाभ सिंह ने कहा कि जयपुर और पोलो प्रेमियों के लिए यह ऐतिहासिक अवसर है। जयपुर में इंडियन पोलो एसोसिएशन के स्तर पर भारत के पहले नाइट पोलो मुकाबलों का आयोजन हुआ है। राजस्थान पोलो क्लब अब दुनिया के चुनिंदा फ्लडलाइट पोलो मैदानों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि यह पहल व्यस्त पोलो प्रेमियों को रात में मैच देखने का अवसर देगी और जयपुर की पोलो विरासत के साथ राजस्थान के पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

गुलाबी नगरी जयपुर में पहली बार राजस्थान पोलो क्लब मैदान में फ्लडलाइट्स की रोशनी में पोलो खेलते हुए खिलाड़ी। रात में पोलो मैच का आनंद लेते हुए दर्शक। फोटो : जाकिर हुसैन

टीम रामबाग/मेफेयर पोलो और टीम गोहिलवाड़ का मुकाबला : इस मुकाबले में टीम रामबाग/मेफेयर पोलो 9-3 के स्कोर से टीम गोहिलवाड़ को हराकर फाइनल में पहुंची। टीम रामबाग/मेफेयर पोलो के लिए हुर्र अली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 गोल हासिल किए। प्रताप सिंह कानोता ने 2 गोल और सिद्धांत सिंह ने 1 गोल किया। टीम की ओर से अनय शाह भी खेले। वहीं, टीम गोहिलवाड़ से शुभम गुप्ता ने 2 गोल और तरुण बिलवाल ने 1 गोल हासिल किया। टीम में जयवीर सिंह गोहिल और एलन शॉन माइकल भी शामिल रहे।

टीम आरपीसी और टीम जयपुर के बीच एकतरफा टक्कर : दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला टीम जयपुर और टीम आरपीसी के बीच हुआ। इस एकतरफा मुकाबले में टीम जयपुर ने 12- 3.5 के स्कोर से टीम आरपीसी को शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। विजेता टीम जयपुर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम के लिए अकेले 12 गोल हासिल किए। टीम से विश्वराज सिंह राठौड़, अक्षय मलिक और कुलदीप सिंह राठौड़ भी खेले। वहीं, टीम आरपीसी के लिए डीनो धनखड़ ने 3 गोल किए। मयूरध्वज सिंह तलाबगांव, रणशय पुरोहित और दिव्यमान सिंह दुजोद भी टीम में शामिल रहे। मैच के दौरान टीम को हाफ गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ। आरपीसी कप टूर्नामेंट का फाइनल टीम जयपुर और टीम रामबाग/मेफेयर पोलो के बीच होगा।

एशियाई खेल 2026 : खेल मंत्रालय ने 503 खिलाड़ियों के लिए 246 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 3 सितंबर। खेल मंत्रालय ने बुधवार को जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय दल के 246 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ को मंजूरी दे दी है। भारत के 503 खिलाड़ी 36 खेलों में हिस्सा लेंगे। एथलेटिक्स और क्रिकेट को सबसे बड़ा सहयोगी स्टाफ दिया गया है। मंत्रालय ने पहले 35 खेलों में 492 खिलाड़ियों के दल को मंजूरी दी थी, लेकिन बाद में खासकर एथलेटिक्स में कुछ नाम जोड़े गए। एथलेटिक्स दल की संख्या 73 से बढ़कर 79 हो गई है। चार सर्फर को भी मंजूरी मिलने के बाद भारत की भागीदारी 36 खेलों में हो गई है। अब भारतीय दल की कुल संख्या 768 हो गई है। इसमें 503 खिलाड़ी, 246 सहयोगी स्टाफ और 19 दल अधिकारी शामिल हैं। दल अधिकारियों में मिशन प्रमुख सहदेव यादव और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनशॉ पार्डीवाला भी शामिल हैं।

जूनियर एशिया कप : खिताब बचाने उतरेगी भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें

महिला टीम की नजर हैट्रिक पर

मोकी (चीन), 3 सितंबर। भारतीय जूनियर पुरुष और महिला हॉकी टीमें एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में अपने-अपने खिताब का बचाव करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चीन के मोकी में 4 से 13 सितंबर तक होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम लगातार तीसरी बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी, जबकि पुरुष टीम रिकॉर्ड छठी बार ट्रॉफी अपने नाम करने का लक्ष्य रखेगी।

महिला टीम की नजर लगातार तीसरे खिताब पर

भारतीय जूनियर महिला टीम ने पिछली दो प्रतियोगिताओं में खिताब जीता है और इस बार टीम की कप्तानी मिडफील्डर खैदेम शिलेम चानू करेंगी। टीम ने नए मुख्य कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में लंबे समय तक योजनाबद्ध प्रशिक्षण किया है। टूर्नामेंट की तैयारी के तहत भारतीय टीम ने इंग्लैंड का दौरा किया, जहां उसने स्कॉटलैंड की सीनियर महिला टीम, अमेरिका की अंडर-21, इंग्लैंड की अंडर-21 और बेल्जियम की अंडर-21 टीमों के खिलाफ सात मुकाबले खेले। इस दौरे से खिलाड़ियों को अलग-अलग खेल शैलियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का मौका मिला। भारत एलीट पूल में है और 5 सितंबर को दक्षिण कोरिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। इसके बाद 6 सितंबर को मलेशिया, 8 सितंबर को जापान और 9 सितंबर को मेजबान चीन से मुकाबला होगा।

पुरुष टीम के सामने छठी बार खिताब जीतने की चुनौती

भारतीय जूनियर पुरुष टीम भी गत चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगी। भारत अब तक पांच बार जूनियर एशिया कप का खिताब जीत चुका है, जिसमें पिछले तीन संस्करणों की ट्रॉफियां भी शामिल हैं। इस बार डिफेंडर अनमोल एक्का टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोएज के कार्यकाल की शुरुआत खिताबी जीत के साथ करने का लक्ष्य होगा। भारत पूल ए में 5 सितंबर को इंडोनेशिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। इसके बाद 6 सितंबर को जापान, 8 सितंबर को दक्षिण कोरिया और 9 सितंबर को चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबले होंगे। व्यापक तैयारियों और अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ भारतीय खिलाड़ियों के पास एशिया के शीर्ष स्तर पर खुद को साबित करने और अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

एशियाई खेल : नीरज चोपड़ा की जगह यशवीर सिंह को भारतीय एथलेटिक्स टीम में मिली जगह

नई दिल्ली, 3 सितंबर। राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी यशवीर सिंह को अपने करियर का सबसे बड़ा मौका मिला है। चोटिल नीरज चोपड़ा की जगह यशवीर को जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम में शामिल किया गया है। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने गुरुवार को लुधियाना में एक प्रेस कांफ्रेंस में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले आइची-नागोया एशियाई खेलों के लिए 77 सदस्यीय भारतीय ट्रैक एवं फील्ड टीम की घोषणा की। यशवीर इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और नीरज चोपड़ा के बाद भारतीय भाला फेंक में प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। उन्होंने ग्लासगो में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में 85.41 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता था। उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास छठे और अंतिम प्रयास में किया था। यशवीर राष्ट्रमंडल खेलों में भाला फेंक का पदक जीतने वाले केवल तीसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने।

राज्य सब-जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए जयपुर जिला टीम चूरू रवाना

जयपुर, 3 सितम्बर। राजस्थान राज्य सब-जूनियर बालक फुटबॉल चैम्पियनशिप 2026-27 में भाग लेने के लिए जयपुर जिला सब-जूनियर बालक फुटबॉल टीम गुरुवार को चूरू के लिए रवाना हुई। प्रतियोगिता में जयपुर जिला टीम अपने अभियान की शुरुआत 4 सितम्बर से करेगी। समर प्रताप सिंह शेखावत को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं टीम के मुख्य प्रशिक्षक की जिम्मेदारी हर्ष चौधरी को सौंपी गई है, जो पूरे प्रतियोगिता के दौरान टीम का मार्गदर्शन करेंगे।

जिला टीम के खिलाड़ी : आर्यमन्त्र धारीवाल, समर प्रताप सिंह शेखावत (कप्तान), आरव सिंह, नव्या मित्तल, अदम्य सोलंकी, रोनित मंडोट, इस्मित रोकाहा, रुद्रांश राठौड़, अथर्व पलावत, शौर्यवर्धन सिंह राठौड़, आराध्य बैराठी, गीतांश बेनीवाल, तवस्या जाखड़, राघव वासवानी, स्वस्तिक शर्मा, श्रीवत्स खंडेलवाल, इशदीप सिंह, विहान चौहान एवं अरशद खान। टीम के रवाना होने के अवसर पर प्रबंधन समिति के सदस्य राजस्थान फुटबॉल संघ के तकनीकी निदेशक सतीश जांगिड़ एवं जयपुर के सीनियर राष्ट्रीय खिलाड़ी हितेश शर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए टीम की तैयारियों और प्रगति की जानकारी दी।

एशियन गेम्स में सुरभि मिश्रा राजस्थान से एकमात्र कोच

जयपुर, 3 सितम्बर। गुलाबी नगर की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और कोच सुरभि मिश्रा को जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए भारत की स्क्वैश टीम का कोच नियुक्त किया गया है। सुरभि मिश्रा भारतीय दल के कोचिंग स्टाफ में राजस्थान की एकमात्र सदस्य हैं। स्क्वैश टीम के साथ विदेशी कोच जेम्स विलस्ट्रॉप और हरिन्दर पाल सिंह संधु भी शामिल हैं।

भारत सरकार के खेल मंत्रालय ने भारत के 768 सदस्यीय दल को मंजूरी दी है। भारतीय दल में कुल 503 खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें 269 पुरुष और 234 महिला खिलाड़ी हैं। ये खिलाड़ी 36 खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों के अलावा दल में विभिन्न खेलों के कोच, सपोर्ट स्टाफ, मेडिकल स्टाफ और टीम अधिकारियों का 246 सदस्यीय दल शामिल है।

सुरभि मिश्रा ने बताया कि आइची-नागोया एशियन गेम्स में स्क्वैश में भारत का आठ सदस्यीय दल हिस्सा लेगा, जिसमें चार पुरुष और चार महिला खिलाड़ी शामिल हैं। पुरुष टीम में सूरज कुमार चांद, वीर चोटरानी, वेलावन सेंथिलकुमार और अभय सिंह हैं, जबकि महिला टीम में अनाहत सिंह, जोशना चिनप्पा, तनवी खन्ना और शमीना रियाज शामिल हैं। सुरभि मिश्रा 2023 में हांगझोऊ (चीन) में हुए पिछले एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम की कोच रही थीं, तब भारतीय टीम ने दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते थे। सुरभि ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों के हालिया प्रदर्शन को देखते हुए इस बार स्क्वैश में भारत के पदकों में और इजाफा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स 2028 के लासएंजिल्स ओलंपिक की क्वालीफाइंग इवेंट भी है।

यूएस ओपन : आर्यना सबालेंका ने 53 मिनट में जीता मुकाबला, तीसरे दौर में पहुंची

न्यूयॉर्क, 3 सितंबर। शीर्ष वरीय बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन 2026 में शानदार अंदाज में तीसरे दौर में जगह बना ली। सबालेंका ने बुधवार रात पोलिना यात्सेंको को सिर्फ 53 मिनट में 6-1, 6-1 से हराकर लगातार तीसरी बार यूएस ओपन खिताब जीतने की अपनी दावेदारी मजबूत की। सबालेंका टूर्नामेंट में मुश्किल दौर से गुजरने के बाद पहुंची थीं और उनकी शीर्ष रैंकिंग भी खतरे में थी, लेकिन बुधवार को उनके खेल में ऐसी कोई परेशानी नजर नहीं आई। उन्होंने आक्रामक और दमदार शॉट्स के दम पर मुकाबले पर शुरू से अंत तक नियंत्रण बनाए रखा।

चाइना मास्टर्स : किदांबी श्रीकांत ने विश्व नंबर-9 विक्टर लाई को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, 3 सितंबर। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने गुरुवार को बड़ा उलटफेर करते हुए विश्व नंबर-9 विक्टर लाई को सीधे गेमों में हराकर चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व विश्व नंबर-1 श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट के मुकाबले में कनाडा के लाई को 21-18, 21-19 से हराया। श्रीकांत ने एक घंटे से भी कम समय चले मुकाबले में संयमित और प्रभावी प्रदर्शन किया। उन्होंने दोनों गेमों में महत्वपूर्ण मौकों पर धैर्य बनाए रखा और दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया।

चाइना मास्टर्स में तन्वी शर्मा का अभियान समाप्त, अंतिम 16 में मियाजाकी से मिली हार : भारतीय युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा का चाइना मास्टर्स 2026 में सफर अंतिम-16 में समाप्त हो गया। तन्वी को गुरुवार जापान की विश्व नंबर-9 तोमोक मियाजाकी के खिलाफ 66 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, ब्रेक के बाद मियाजाकी ने लगातार दबाव बनाया और 11-11 से बराबरी कर ली। इसके बाद जापानी खिलाड़ी ने मुकाबले पर नियंत्रण हासिल कर लिया और निर्णायक गेम 21-16 से जीतकर तन्वी का अभियान समाप्त कर दिया। ब्रेक के बाद तन्वी केवल पांच अंक ही हासिल कर सकीं।

यूएस ओपन : गत चैम्पियन कार्लोस अल्कराज ने जेमी फारिया को हराकर तीसरे दौर में बनाई जगह

न्यूयॉर्क, 3 सितंबर। गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने कलाई की चोट के कारण करीब पांच महीने तक बाहर रहने के बाद यूएस ओपन में अपनी वापसी को मजबूती दी है। स्पेन के अल्कराज ने बुधवार को पुर्तगाल के जेमी फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। लगभग पांच महीने बाद सोमवार को रोमन सफीउल्लिन के खिलाफ सीधे सेटों में जीत के साथ वापसी करने वाले अल्कराज को फारिया के खिलाफ पहले सेट में संघर्ष करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 72वें स्थान पर काबिज फारिया ने 4-3 की बढ़त के लिए अल्कराज की सर्विस तोड़ी और अपनी मजबूत सर्विस के दम पर पहला सेट 6-4 से जीत लिया। दूसरे सेट की शुरुआत में भी फारिया ने अल्कराज पर दबाव बनाया और दो बार ब्रेक का मौका हासिल किया। हालांकि, अल्कराज ने सही समय पर अपने खेल की गति बढ़ाई। उन्होंने आर्थर ऐश स्टेडियम में दर्शकों को शानदार ड्रॉप शॉट और लॉब के संयोजन से रोमांचित किया और दूसरा सेट 6-0 से जीतकर मुकाबले में वापसी की। तीसरे सेट में सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्कराज ने अपने शानदार शॉट्स से फारिया को लगातार दबाव में रखा। 23 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने धीरे-धीरे मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। चौथे सेट में फारिया की सर्विस कमजोर पड़ने का अल्कराज ने पूरा फायदा उठाया और 6-2 से सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब तीसरे दौर में उनका सामना चीन के वू यीबिंग से होगा।

तौहीद हृदोय ने नाबाद 350 रन बनाकर तोड़ा तमीम का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 3 सितंबर। ढाका से दक्षिण अफ्रीका पहुंचे तौहीद हृदोय के लिए शायद यह दौरा किसी बड़े लक्ष्य के साथ शुरू नहीं हुआ था। उन्हें बांग्लादेश ए टीम में जगह इसलिए मिली क्योंकि कई खिलाड़ी चोटिल थे और कुछ खिलाड़ियों के वीजा से जुड़ी दिक्कतें थीं। नुरुल हसन, रिशाद हुसैन और मोहम्मद सैफुद्दीन के साथ हृदोय को भी टीम में भेजा गया, ताकि दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खिलाड़ियों की संख्या पूरी रहे। लेकिन अब वही हृदोय इस दौरे के सबसे बड़े चर्चा के केंद्र में हैं। पोटचेफस्ट्रूम में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ हृदोय ने नाबाद 350 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर सबको चौंका दिया। यह मैदान उनके लिए खास भी है।

जिला क्रिकेट संघ दौसा : अंडर-19 टीम दौसा ने बांसवाड़ा को आठ विकेट से हराया

जयपुर, 3 सितम्बर। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित पहले मैच में दौसा टीम को चूरू के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा दूसरे मैच में करौली ने दौसा को 173 रनों से हराया उसके बाद तीसरे मैच में दौसा की टीम ने बांसवाड़ा की टीम को 8 विकेट से हराया। इस मैच में पहले दौसा ने पहले गेंदबाजी करते हुए 37.1 ओवर में बांसवाड़ा को 143 रन पर समेट दिया। दौसा की ओर से गेंदबाजी में गौरांश जैमन ने 28 रन पर 5 विकेट लिए जतिन सैनी और आदित्य भट्ट ने दो-दो विकेट लिए 142 के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज योगेश सैनी ने ताबड़तोड़ 82 रन 79 बोल में बनाए की जिसकी बदौलत दौसा ने 142 रन 2 विकेट के नुकसान पर 25.2 ओवर में बनाए और 8 विकेट से बांसवाड़ा के खिलाफ जीत दर्ज की।

राज्य स्तरीय अंडर-19 डूंगरपुर ट्रॉफी

जयपुर 3 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी के आज खेले गए लीग मैचों के परिणाम :- तविष शर्मा का शतक, धैर्य शर्मा, फरहान, वीरेंदर, योगेश सैनी, कार्तिक पूनिया, शुभम सोनी, नितिन सैनी, जतिन भाटी, रोहन अग्रवाल, यशोवर्धन विश्नोई के अर्धशतक, गौरांशजैमन, अनुराग लखन के पांच विकेट, कमलेश, दक्ष शर्मा, अभयराज सिंह, लखन गुर्जर, श्रवण मीणा, नवीन शर्मा, तक्ष नागर, जय वैषणव, उज्जवल चौधरी, दीपेश की शानदार गेंदबाजी रही। अलवर - जालोर मैच (अलवर जीती), डूंगरपुर - पाली मैच (पाली जीती), बांसवाड़ा - दौसा मैच (दौसा जीती), अजमेर - करौली मैच (अजमेर जीती), चूरू - चित्तोड़ (चूरू जीती), बारां - सिरोही मैच (बारां जीती)।

राजस्थान ने झारखंड को 1-0 से हराया, हर्षवर्धन ने गोल किया

जयपुर, 3 सितम्बर। नारायणपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित जूनियर बॉयज नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप टियर 2 (डॉ. बी.सी. रॉय ट्रॉफी) में राजस्थान ने अपने लीग चरण के दूसरे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए झारखंड को 1-0 से पराजित किया। और लीग का दूसरा मुकाबला जीतकर 6 अंक प्राप्त किये । राजस्थान और झारखंड के बीच खेला गया मुकाबला बेहद रोमांचक और कांटे की टक्कर वाला रहा। मैच के शुरुआती मिनटों से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए एक-दूसरे के गोलपोस्ट पर लगातार हमले किए। राजस्थान की रक्षापंक्ति ने शानदार तालमेल दिखाते हुए झारखंड के सभी हमलों को नाकाम किया। राजस्थान ने भी लगातार जवाबी हमले किए, लेकिन पहले हाफ में गोल करने में सफलता नहीं मिली। मध्यांतर तक मुकाबला 0-0 की बराबरी पर रहा। मध्यांतर के बाद कोच देवेन्द्र सिंह भाटी के मार्गदर्शन में राजस्थान की टीम ने अपने परिचित आक्रामक अंदाज में खेल का प्रदर्शन करते हुए झारखंड पर दबाव बनाना शुरू किया।

राजस्थान दोहरे खिताब की दावेदार : महिला और अंडर-19 लड़कियां फाइनल में पहुंची, पुरुष व लड़के बाहर

भीलवाड़ा, 3 सितम्बर। मेजबान राजस्थान की महिलाओं की योनेक्स सनराइज नॉर्थ जोन बैडमिंटन चैम्पियनषिप में धाक रही। राजस्थान की महिला और अंडर-19 लड़कियों की टीमों ने गुरूवार को प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेष कर लिया। राजस्थान की पुरूष और अंडर-19 लड़कों की टीम हारकर खिताबी होड़ से बाहर हो गई। पुरूषो के सेमीफाइनल में दिल्ली ने राजस्थान को 3-1 से शिकस्त दी। महिलाओं के मुकाबलों में मेजबान टीम ने शानदार शुरूआत करते हुए दिल्ली को 3-0 से करारी षिकस्त दी। पारूल चौधरी ने रिषिका नन्दी को 15-6, 9-15, 15-9 से, युगल में पारूल चौधरी और काव्या स्वामी ने खुषी गुप्ता और इषिता नेगी को 15-10, 11-15, 15-12 से तथा एकल में स्नेहा लांबा ने दिआनका को 15-11, 12-15, 15-11 से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की। एक अन्य सेमीफाइनल में हरियाणा ने पंजाब को 3-2 से पराजित किया।

फाइनल में दिल्ली का मुकाबला हरियाणा से होगा। पुरूषो के मुकाबले सेमीफाइनल मुकाबले में राजस्थान के प्रणय कट्टा ने दिल्ली के दिव्यांष रावत को 15-17, 15-10, 15-9 से हराया। संस्कार सास्वत वंष देव से 15-8, 5-15, 10-15 से, शुभम पटेल और डेनियल श्रीवास्त की जोड़ी परम चौधरी और दिव्यांष रावत से 13-15, 13-15 से, मनीष फोगट ढिंगरा मधुर से 7-15, 7-15 से हार का सामना करना पड़ा। अंडर-19 लड़कियो के मुकाबले में राजस्थान ने तगड़ी टीम हरियाणा को 2-1 से पराजित किया। राजस्थान की पारूल चौधरी ने गरिमा को 15-9, 12-15, 16-14 से हराकर राजस्थान को शानदार शुरूआत दिलाई। युगल में हरियाण की आराध्या जाखड और दिव्या जाखड ने पारूल चौधरी और काव्या स्वामी को 15-13, 8-15, 15-11 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। एकल में मेजबान टीम की स्नेहा लांबा ने सानवी अनेजा को 15-12, 15-11 से हराकर राजस्थान को फाइनल में प्रवेष दिलाया। फाइनल में राजस्थान का मुकाबला दिल्ली से होगा। दिल्ली ने सेमीफाइनल में हिमाचल प्रदेष पर 2-0 से आसान जीत दर्ज की। अंडर-19 लड़को के सेमीफाइनल में राजस्थान टीम को पराजय का मुंह देखना पड़ा। हरियाणा ने राजस्थान को 2-1 से हराकर खिताबी दौड़ से बाहर कर दिया। फाइनल में हरियाणा का मुकाबला पंजाब से होगा। पंजाब ने सेमीफाइनल में दिल्ली को 2-1 से षिकस्त दी। राजस्थान के खिलाफ हरियाणा के वेदांत पहवा ने यष सोनी को 7-15, 15-6, 16-14 से हराया। युगल में जंगजीत सिंह काजला पार्थ गावरी और स्पर्ष सूद को 15-6, 15-9 से हराकर स्कोर 1-1 से बराकर कर दिया। बाद में स्पर्ष सूद ने विषाल चौधरी को 15-7, 15-12 से पराजित कर राजस्थान की चुनौती समाप्त कर दी।

प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड चेस टूर फाइनल जीतकर रचा स्वर्णिम इतिहास

नई दिल्ली, 3 सितंबर। शतरंज की दुनिया में आर प्रज्ञानानंद की हालिया सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि बड़े खिलाड़ी अपनी कमजोरियों को पहचानकर किस तरह खुद को बदल सकते हैं। ग्रैंड चेस टूर फाइनल में फैबियानो करूआना को हराकर खिताब जीतने वाले प्रज्ञानानंद को लेकर अब दिग्गज खिलाड़ी लेवोन अरोनियन और विश्वनाथन आनंद ने भी खुलकर तारीफ की है। गौरतलब है कि करीब एक साल पहले ग्रैंड चेस टूर फाइनल में तीसरे स्थान के मुकाबले में लेवोन अरोनियन ने प्रज्ञानानंद को हराया था। उस मुकाबले में तेज गति से खेले जाने वाले खेल के दौरान अरोनियन ने प्रज्ञानानंद के खेल को करीब से समझा और उन्हें लगा कि तेज खेल में भारतीय खिलाड़ी की कुछ कमजोरियां हैं। अरोनियन के मुताबिक तब उन्हें लगा था कि तेज और बहुत तेज शतरंज में प्रज्ञानानंद को दबाव में लाया जा सकता है।